भारत सरकार

आयुष मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 3058

13 दिसम्बर, 2024 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

सतत चिकित्सा शिक्षा (सीएमई) योजना के कार्यान्वयन में चुनौतियां

3058. श्री अनुराग शर्मा:

क्या आयुष मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) आयुष चिकित्सकों को शिक्षा प्रदान करने के उद्देश्य से कार्यान्वित सतत चिकित्सा शिक्षा (सीएमई) योजना में जोर दिए गए विषयों और कौशलों का ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या उक्त योजना ने देश में आयुष स्वास्थ्य परिचर्या सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार लाने में सहायता की है;

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(घ) देश के ग्रामीण क्षेत्रों में सीएमई कार्यक्रमों के कार्यान्वयन में सरकार को किन-किन चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है और इन चुनौतियों का समाधान किस प्रकार किया जाता है?

उत्तर

आयुष मंत्रालय के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)

(श्री प्रतापराव जाधव)

(क) से (ग): आयुर्ज्ञान योजना के क्षमता निर्माण और सतत चिकित्सा शिक्षा (सीएमई) घटक का उद्देश्य आयुष कर्मियों को आवश्यकता-आधारित व्यावसायिक प्रशिक्षण प्राप्त करने और सभी आयुष पद्धतियों नामत: आयुर्वेद, योग और प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी, सिद्ध, होम्योपैथी और सोवा-रिग्पा जिसमें कायाचिकित्सा, कौमारभृत्य, संहिता और सिद्धांत, अगद तंत्र, रचना शरीर, रसशास्त्र और भैषज्य कल्पना, प्रसूति तंत्र और स्त्री रोग, शल्यतंत्र, द्रव्यगुण, पंचकर्म, शालक्य तंत्र, क्रिया शरीर, स्वस्थवृत्त, रोग निदान आदि से संबंधित पद्धति विशिष्ट विषयों शामिल हैं, में ज्ञान संबंधी अभावों को दूर करने के लिए प्रोत्साहित करना है। इस योजना में आयुष चिकित्सा अधिकारियों/चिकित्सकों के लिए विषय-विशिष्ट सीएमई कार्यक्रम और आयुष पराचिकित्सा/स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं/प्रशिक्षकों/चिकित्सकों आदि के लिए विशेष प्रशिक्षण का भी प्रावधान है।

उपरोक्त के अतिरिक्त, इस योजना में वैज्ञानिक समझ के लिए अनुसंधान और विकास में वर्तमान प्रवृत्तियों, पुनर्योजी चिकित्सा, अगली पीढ़ी के सहायक, क्वांटम प्रौद्योगिकियां और स्वास्थ्य सेवा, नैनो प्रौद्योगिकी, क्रांतिकारी औषधि विकास आदि जैसी आधुनिक वैज्ञानिक प्रगतियों और प्रौद्योगिकी में प्रशिक्षण प्रदान करने और आयुष डॉक्टरों/वैज्ञानिकों के लिए आयुष पद्धतियों को बढ़ावा देने का भी प्रावधान है।

(घ): सीएमई कार्यक्रम को देश भर में विभिन्न पात्र संगठनों के माध्यम से, चाहे उनकी भौगोलिक स्थिति कुछ भी हो, क्रियान्वित किया जा रहा है। इसलिए, योजना के क्रियान्वयन में कोई कठिनाई नहीं आई है।

*****